



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण गुप  
सितम्बर, 2013 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

**सितम्बर मास का चार्ट:**

लक्ष्य – शान्तिदूत।

हम विश्व में शान्ति स्थापन करने के निमित्त आत्माएं हैं। हम भगवान के शान्तिदूत हैं। दादीजी की विशेष प्रेरणा अनुसार आवश्यकता है संसार को अपनी शक्तिशाली मनसा द्वारा आत्माओं की मनसा सेवा करना, उनकी मनसा को परिवर्तन करना।

तो आईए, हे शान्तिदूत आत्माओं, अपनी शान्त स्थिति से हम विश्व की आत्माओं को शान्त बनाएं।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	निर्विकारी मनसा
दूसरा	व्यर्थ संकल्प मुक्त
तीसरा	समर्थ मनसा
चौथा	शक्तिशाली मनसा

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चिन्तन करके 10 लाईन कम से कम लिखनी है। फिर सारे दिन में उसे धारण करने का अभ्यास करना है। रोज रात को चेक करना है कि क्या बापदादा चाहते हैं वैसे ही हमने प्यूरिटी और यूनिटी को अपनाया है? कितना % और अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. शान्तिदूत - 50%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. फाल्तु संकल्प नहीं करेंगे।
2. एकनामी और इकोनोमी।

- अभ्यास: हर घण्टे 1 मिनट शान्ति की किरणें फैलानी है, मनसा सेवा करनी है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा शान्तिदूत हूँ।	16. मैं आत्मा शान्ति सागर परमात्मा की सन्तान हूँ।
2. मैं आत्मा शान्ति का अवतार हूँ।	17. मैं आत्मा प्रकृति को भी शीतल बनाने वाली हूँ।
3. मैं आत्मा शान्ति की मणी हूँ।	18. मैं आत्मा शान्ति के वायब्रेशन फैलाने वाली हूँ।
4. मैं आत्मा शान्ति का पूँज हूँ।	19. मैं आत्मा शान्त चित्त हूँ।
5. मैं आत्मा शान्ति का फरिश्ता हूँ।	20. मैं आत्मा शीतल स्वभाव से सम्पन्न हूँ।
6. मैं आत्मा शान्ति का देवी/देव हूँ।	21. मैं आत्मा शीतल वचन बोलने वाली हूँ।
7. मैं आत्मा शान्ति का सन्देश वाहक हूँ।	22. मैं आत्मा शीतला देवी/देव हूँ।
8. मैं आत्मा शान्ति कुण्ड स्थापन करने वाला हूँ।	23. मैं आत्मा शीतल कर्मेन्द्रिय वाला हूँ।
9. मैं आत्मा मास्टर शान्ति सागर हूँ।	24. मैं आत्मा शान्तिधाम की रेहवासी हूँ।
10. मैं आत्मा शान्ति प्रिय हूँ।	25. मैं आत्मा शान्ति का संसार स्थापन करने के निमित्त हूँ।
11. मैं आत्मा शान्ति देवा हूँ।	26. मुझ आत्मा का श्रृंगार शान्ति है।
12. मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।	27. शान्ति मुझ आत्मा की शोभा है।
13. मैं आत्मा शान्ति की किरणें फैलाने वाला हूँ।	28. शान्ति मुझ आत्मा की शान है।
14. मैं आत्मा शान्ति का सितारा हूँ।	29. शान्ति मुझ आत्मा का आभूषण है।
15. मैं आत्मा शीतल योगी हूँ।	30. शान्ति मुझ आत्मा का स्वधर्म है।

- ❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
शान्तिदूत -50%		गुड नाइट-95%
<b>चार्ट: OK या OK</b>		<b>टीचर के हस्ताक्षर</b>
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		